भगवान के उद्धार का सरल योजना

परिचय

I मैं जॉन 5:13 मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिथे लिखा है; कि तुम जानो, कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।

1. मैं हम सब पापी हैं

रोम3:10 जैसा लिखा है, कि कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं।

रोम3:23 इसलिथे कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रिहत है।

हम सब पापी हैं!

II द्वितीय उस पाप के लिए एक मूल्य है

रोम6:23a " क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, ..."

रहस्योद्घाटन 21:8 पर डरपोकों, और अविश्वासियों, और घिनौनों, और हत्यारों, और व्यभिचारियों, और टोन्हों, और मूर्तिपूजकों, और सब फूठोंका भाग उस फील में मिलेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है।।

III तृतीय मसीह हमारे पापों के लिए मर गया

रोम5:8 परन्तु परमेश्वर हम पर अपके प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिथे मरा।

रोम14:9 क्योंकि मसीह इसी लिथे मरा और जी भी उठा कि वह मरे हुओं और जीवतों, दोनोंका प्रभु हो।

रोम6:23b .....परन्तु परमेश्वर का बरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवन है।।

मसीह पापियों के लिए मर गया!

IV मोक्ष अच्छा काम करता है एक मुक्त, नहीं उपहार है. आप इसके लिए भगवान के शब्द है, और विश्वास यीशु अकेला लेना चाहिए!

अधिनियमों 4:12 और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्योंमें और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें।।

इफिसियों. 2:8-9 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मोंके कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

टाइटस 3:5 तो उस ने हमारा उद्धार किया: और यह धर्म के कामोंके कारण नहीं, जो हम ने आप किए, पर अपक्की दया के अनुसार, नए जन्क़ के स्नान, और पवित्र आत्क़ा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

V हम वी हमारे और मसीह में विश्वास पर विश्वास रखना करने के लिए बचाया जाना चाहिए

रोम 10:9-10,13 कि यदि तू अपके मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपके मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि धामिर्कता के लिथे मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिथे मुंह से अंगीकार किया जाता है। क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।

हाँ, यह उतना आसान है ! आप परमेश्वर से क्षमा अर्जित नहीं कर सकते । आप परमेश्वर के द्वारा दी गई क्षमा का भुगतान नहीं कर सकते ।

आप उसे केवल प्राप्त कर सकते हैं, विश्वास के द्वारा, परमेश्वर के अनुग्रह तथा दया के द्वारा । अगर आप यीशु मसीह को अपने मुक्तिदाता के रूप में ग्रहण करना चाहते हैं तथा परमेश्वर से क्षमा प्राप्त करना चाहते हैं, तो यहाँ पर एक प्रार्थना है जो आप कर सकते हैं । इस प्रार्थना को या किसी अन्य प्रार्थना को करने से आपको मुक्ति नहीं मिल सकती । केवल यीशु मसीह पर विश्वास करना ही पापों की क्षमा उपलब्ध कराता है । यह प्रार्थना केवल परमेश्वर में आपका विश्वास व्यक्त करने का तथा आपके लिए क्षमा उपलब्ध कराने का तरीका है ।

'परमेश्वर,
मैं जानता हूँ कि मैंने आप के विरुद्ध पाप किया है तथा मैं दंडित होने का उत्तराधिकारी हूँ । परन्तु यीशु मसीह ने वो दण्ड पाया जिसके योग्य मैं था, जिससे की उसमें विश्वास करके मैं क्षमा किया जा सकूँ । मैं अपने पापों से मुँह मोड़ता हूँ तथा मुक्ति के लिए आपमें अपना विश्वास रखता हूँ । आपके आश्चर्यजनक अनुग्रह तथा क्षमा के लिये धन्यवाद !अस्तु!"